15 August Speech

PDF By: RojgarMetro.Com

(भाषण-1)

आदरणीय, मुख्य अतिथि, प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य, सम्मानित शिक्षकगण और मेरे प्यारे छात्र-छात्राओं आप सभी का हार्दिक अभिनंदन !

मैं, ... शर्मा उच्च माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिका इस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक भाषण देना चाहूंगी। मुझे विश्वास है कि 15 अगस्त का दिन आप सभी के दिलो में विशेष स्थान रखता होगा और यही कारण है कि हम बेसब्री से इस दिन का इंतजार करते हैं। इस विशेष दिन हम उन सभी महान क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के याद में श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। जिन्होंने स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान देश के गौरव के लिये बहादुरी से लड़ते हुए अपना सर्वस्व त्याग दिया। भारत का स्वतंत्रता दिवस सिर्फ अंग्रजों से प्राप्त हुई हमारी आजादी को ही नहीं दर्शाता है, बल्कि की यह हमारे देश के उस के उस क्षमता और शक्ति को भी दिखाता है जिसमें लोगों ने साथ मिलकर आजादी जैसे चुनैतीपूर्ण लक्ष्य को भी प्राप्त किया।

PDF By: RojgarMetro.Com

आजादी के इन 76 वर्षों में भारत ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, हम सदैव ही प्रगति की ओर अग्रसित रहे हैं और वह दिन दूर नहीं है, जब पूरे विश्व में हमारा देश एक महाशक्ति के रुप में स्थापित होगा।

हमारे देश को आजाद हुए चार वर्ष भी नहीं हुये थे, जब हमारे संविधान के अनुसार हमारा देश एक गणतंत्र बनकर और मजबूत हुआ, जिसकी आज भी पूरे विश्व में प्रसंशा की जाती है। हमारा भारत एक बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी देश है, यही कारण है कि हमारी शक्ति हमारी विविधता में ही छुपी हुई है।

आज हमारा देश कृषि से लेकर प्रौद्योगिकी तक हर क्षेत्र में अग्रणी है, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम निरंतर बेहतर होते जा रहे हैं।

PDF By: RojgarMetro.Com

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ना केवल हम अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हैं, बल्कि की अपने देश के उपलब्धियों को स्मरण भी करते हैं जो हमें बेहतर और लीक से हटकर कार्य करने के लिये प्रोत्साहित करता है।

हम सब को यह जानकर यह प्रसन्नता होती है, कि सैन्य शक्ति के मामले में आज हम दुनियाँ के पांच सबसे शक्तिशाली देशों में से एक है, और इसका श्रेय हमारे देश के उन वीर सैनिकों को जाता है।

जो हमारी सुरक्षा और देश की शांति व्यवस्था के लिये ना सिर्फ दिन-रात सीमा पर तैनात रहते हैं, बल्कि किसी भी आपदा और संकट के समय भी बचाव कार्यों के लिये तत्पर रहते हैं।

PDF By: RojgarMetro.Com

अंत में मै यही कहूँगी कि कोई भी देश सर्वोत्तम नहीं होता है हर देश में कुछ ना कुछ कमियाँ होती हैं। किसी देश की दुसरे देश के साथ तुलना करना भी गलत है क्योंकी हर देश अपने में अनोखा होता है और उसकी अपनी कमियाँ और खुबियाँ होती हैं।

तो आइये इस स्वतंत्रता दिवस ये संकल्प लेते हैं कि हम अपने देश की तरक्की और उन्नती के लिये हर संभव प्रयास करेंगे। हालांकि अपने मातृभूमि के प्रति अपने स्नेह को दर्शाने के लिये हमें कोई बहुत बड़े कदम उठाने की जरुरत नहीं है क्योंकि बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ, स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं में अपना योगदान देकर और स्वदेशी उत्पादो तथा सार्वजनिक परिवाहन उपयोग करके भी हम अपने देश को और सुदंर तथा सुदृढ़ बनाने में सहायता कर सकते हैं।

PDF By: RojgarMetro.Com

(भाषण – 2)

आदरणीय, प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य, प्रिय साथियों और मेरे प्यारे छात्र-छात्राओं आप सभी का हार्दिक अभिनंदन !

मैं नताशा शर्मा – कक्षा 9वीं की अध्यापिका आज की शाम इस स्वातंत्रा दिवस समारोह में आप सभी का स्वागत करती हूँ। यह दिन हम भारतीयों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि 15 अगस्त के दिन ही हमने अंग्रेजी हूकुमत से आजादी हासिल की थी।

स्वतंत्रता के बाद भारतीय नागरिक सभी मौलिक अधिकारों का आनंद उठा सकते थे। यह गुलामी की जंजीरो में जकड़े उन सभी भारतीयों के लिये एक नये युग की शुरुआत थी जो एक बार फिर से स्वतंत्र माहैल में अपने इच्छा अनुसार अपना जीवन जी सकते थे।

PDF By: RojgarMetro.Com

यह इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि किस प्रकार से हमारे पूर्वजों को अंग्रेजों द्वारा अनगिनत अत्याचारों का सामना करना पड़ा और उनके द्वारा किये सर्वस्व बलिदान के बाद हमें इस आजादी की प्राप्ती हुई है।

भले ही हम कहें की हम उनके द्वारा सहन किये गए कष्टों को समझ सकते हैं पर हम उनके दुखो: की बिलकुल भी कल्पना नहीं कर सकते। उनके इन्हीं प्रयासों के चलते आखिरकार हमे सन् 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई, जिसके पहले सदैव युद्ध और खूनी संर्घष आम बात थी।

हम कह सकते हैं कि यह दशको का संर्घष था, जोकि 1857 से शुरु होकर 1947 तक चला। हमारे महान क्रांतिकारी मंगल पांडेय को प्रथम स्वतंत्रता सेनानी के रुप में याद किया जाता है जिन्होंने सबसे पहले अंग्रजो के खिलाफ आवाज उठाई, जिससे भारत को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिये भीषण संर्घष की शुरुआत हुई।

PDF By: RojgarMetro.Com

जिसके बाद कई सारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना पूरा जीवन देश की आजादी के लिये समर्पित कर दिया। भला हम चन्द्र शेखर आजाद, भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के बलिदान को कैसे भूल सकते हैं, जिन्होंने इतनी कम उम्र में देश के लिये अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया। इसके अलावा हम गाँधी जी और सुभाष चन्द्र बोस के बलिदानों को भी कैसे भूल सकते हैं। निसंदेह गाँधी जी एक महान भारतीय थे। जिन्होंने पूरे विश्व को अंहिसा का महत्वपूर्ण संदेश दिया। आखिरकार 15 अगस्त 1947 को हमें इतने लम्बे संर्घषों का फल प्राप्त हुआ और हमारे देश को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

हम बहुत ही सौभाग्यशाली हैं कि हमें अपने पूर्वजों से उपहार स्वरुप इस आजादी की प्राप्ती हुई जिससे आज हम इस शांति भरे माहौल में बिना अपने अधिकारों की चिंता किये आजादी से रह सकते हैं। हमारा देश विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खेल और शिक्षा के जैसे क्षेत्रों में तेजी से तरक्की कर रहा है, जोकि आजादी से पूर्व संभव नहीं था। इसके साथ ही भारत एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनने की ओर तेजी से आगे बढं रहा है। हम राष्ट्रमंडल, ओलिंपिक और एसियाई खेलों में भी सक्रिय रुप से हिस्सा लेते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

PDF By: RojgarMetro.Com

एक भारतीय नागरिक के तौर पे अब हमें अपनी सरकार चुनने का अधिकार है और अब हम विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में पूरी स्वयत्ता के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। हालांकि हमें अपने देश की प्रति अपनी जिम्मेदारियों से खुद को आजाद नहीं समझना चाहिए और एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमें ज़रुरत के समय अपने देश के लिये विपत्तियों का सामना करने से पीछे नहीं हटना चाहीए।

तो बस अब मैं अपने इस भाषण को समाप्त करने की अनुमति चांहूगी, तो आइये हम साथ मिलकर बोलें जय हिंद!

PDF By: RojgarMetro.Com